अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका
ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति पर मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन

डॉ. ममता शर्मा
प्राचार्य
पं.हरिशंकर शुक्ल स्मृति महाविद्यालय
कचना, रायपुर.

प्रस्तावना :–

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की धुरी है, जिस पर उसके विकास का चक्र घूमता है। राष्ट्र जनों के मानसिक क्षितिज का विस्तार देकर उन्हें प्रत्येक क्षेत्र के कार्य में सक्षम बनाना शिक्षा का उपहार है। शिक्षा को मानवीय जीवन का ज्योर्तिमय पक्ष माना गया है, जिससे मानव के व्यक्तित्व का चर्तुमुखी विकास होता है। शिक्षा मानव के बौद्धिक तथा सामाजिक विकास में जन्म से चल रही प्रक्रिया है।

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जिसमें अधिकांश लोग ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं। इनका प्रमुख कार्य कृषि करना है। भारत की अधिकांश जनता कृषक, मजदूर, रिक्शे वाले, ठेले वाले, तांगे वाले और अन्य कार्य करने वाले होते हैं। इन लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी रहती है। अपने बच्चों को सही ढंग से शिक्षा के प्रति ध्यान नहीं देते हैं। यहां तक कि अपने बच्चों को प्राथमिक शिक्षा भी देने में असमर्थ रहते हैं। इस कारण सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलायी जा रही हैं, जैसे–निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा, पढ़बो–पढ़ाबो योजना, मध्यान्ह भोजन योजना, सर्वशिक्षा अभियान आदि। जिसका उद्देश्य गरीब बच्चों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके और शिक्षा के प्रति रूचि जागृत हो सके। ऐसी स्थिति में बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा हेतु शासन द्वारा सर्व शिक्षा अभियान को जारी किया गया है। जिसके अंतर्गत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के बच्चों को ध्यान रखते हुए प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था की गई है। जिसका लाभ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बालकों को मिल सके और विद्यालयों में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या में वृद्धि हो सके।

अध्ययन का शैक्षिक महत्व :–

वर्तमान समय में मध्यान्ह भोजन योजना से सभी वर्गों के बच्चों को लाभ मिल रहा है। इस योजना से अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं को लाभ मिल सके, शिक्षा के प्रति रूचि जागृत हो सके विद्यालयों में प्रतिवर्ष छात्र–छात्राओं की दर्ज संख्या में वृद्धि एवं ठहराव, शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि हो सके और प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को मध्यान्ह भोजन योजना द्वारा प्रभारित कर सकें, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए ही इस समस्या के समाधान के क्षेत्र में अध्ययन किया गया । जिसके द्वारा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति पर मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के द्वारा उन गरीब परिवार के बच्चों के लिए विद्यालय में गरम भोजन उपलब्ध कराया जाता है। जिसके कारण बच्चों की भोजन संबंधी समस्या दूर हो जाती है। मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम का शैक्षिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस कार्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को संतुलित आहार मिलता है, जिससे कुपोषण की समस्या नहीं रहती है। विशेषकर कमजोर वर्ग के छात्रों को ज्यादा लाभ मिलेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों में खाने एवं भोजन संबंधी नियमित आदतों का विकास होता है। जिससे छात्रों में पढ़ाई के प्रति रूचि उत्पन्न होगी।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

भारत मे किए गए शोध अध्ययन :–

शुक्ला सी. एस. (1984) – प्राइमरी स्कूल के बच्चों पर शैक्षणिक उपलब्धि में सामाजिक स्तर पर परिवार के आकार के प्रभाव पर अध्ययन किया और पाया कि – लिंग व शहरी–ग्रामीण क्षेत्रों का अन्तर प्राथमिक शाला के बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धि पर नहीं पाया गया । संयुक्त व एकल परिवार के बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया ।

ड्रेज और किंग्डम (2001) का अध्ययन – मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम और प्राथमिक शिक्षा में लड़कियों की उपस्थिति संबंधी किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम से लड़कियों की स्कूल में भागीदारी 50 प्रतिशत बढ़ी है।

सेठी (2002) का अध्ययन :– रायगढ़ जिला (उड़ीसा) में जहां वर्ष 1995 से मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम से न केवल कक्षा–1 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है वरन् पूर्व प्राथमिक स्तर की कक्षाओं की उपस्थिति में वृद्धि हुई है।

सपना दुबे (2002) ने बिलासपुर जिले के प्राथमिक शालाओं में क्रियान्वित पढ़बों–पढ़ाबों स्कूल जाबो योजना का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन किया है । उन्होंने अपने अध्ययन में प्राप्त परिणाम को निम्नानुसार प्रस्तुत किया है – ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के प्रचार–प्रसार से बालक–बालिकाओं की शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है। योजना में शिक्षकों, अभिभावकों एवं जनसामान्य की उत्साहवर्धक भागीदारी से प्रवेश संख्या में वृद्धि हुई है। यह योजना, शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक सफल हुई है। शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र की शालाओं में दर्ज संख्या में काफी वृद्धि हुई है।

अपराजिता गोपाल (2003) ने मध्यान्ह भोजन का भविष्य शीर्षक लेख में मध्यान्ह भोजन का मूल्यांकन किया गया उनके विचारों में :– पूरे देश में मध्यान्ह भोजन योजना अत्यन्त उत्साह पूर्वक चलाया जा रहा है। शालाओं में दर्ज संख्या में वृद्धि पायी गई है। कक्षाओं में बच्चों के भूख को कुछ हद तक मध्यान्ह भोजन से नियमित किया गया है। बच्चों के एक साथ बैठकर खाने तथा एक समान भोजन करने से, उनमें साझेदारी के गुण का विकास हुआ। कुछ हद तक जाति–भेद तथा लिंग भेद में कमी आयी है।

समस्या कथन :–

"प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति पर मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन."

अध्ययन का उद्देश्य :–

इसके अन्तर्गत शोधकर्ता द्वारा ली गई समस्या हेतु निम्नलिखित उद्देश्यों का निर्माण किया है :–

1. मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं में शिक्षा के प्रति जागरुकता का अध्ययन करना।
2. मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं की दर्ज संख्या में होने वाली वृद्धि का अध्ययन करना।
3. मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

अध्ययन की परिकल्पना :–

प्रस्तुत समस्या के अध्ययन हेतु शोधकर्ता ने निम्नलिखित परिकल्पनाओं का निर्माण किया है –

1. **परिकल्पना** – मध्यान्ह भोजन से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता पाई जाएगी।
2. **परिकल्पना** – मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं की दर्ज संख्या में वृद्धि होगी।
3. **परिकल्पना** – मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्ध बढ़ेगी।

चर :–

स्वतंत्र चर – प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति

आश्रित चर – मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभाव का अध्ययन

अध्ययन का क्षेत्र :–

प्रस्तुत अध्ययन में रायपुर शहर के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को लिया गया है।

परिसीमन :–

प्रस्तुत समस्या के अध्ययन हेतु शोधकर्ता ने निम्न परिसीमाओं का निर्माण कियाहै–

1. प्रस्तुत अध्ययन हेतु रायपुर जिले के रायपुर नगर निगम क्षेत्र का चयन किया गया है।
2. प्रस्तुत अध्ययन हेतु रायपुर नगर के पांच प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया गया है।
3. प्रस्तुत अध्ययन में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों से 50 शिक्षकों का चयन किया गया है।

शोध विधि :–

शोधकर्ता ने इस समस्या के अध्ययन हेतु परिकल्पनाओं की पुष्टि के लिए सर्वेक्षण विधि का चयन किया है।

शोध उपकरण :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोध उपकरण के रूप मे **"स्वनिर्मित साक्षात्कार अनुसूची"** का प्रयोग किया है।

न्यादर्श :–

शोधकर्ता ने प्रतिदर्श का चयन यादृच्छिक आधार पर किया है।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

सारणी क्रमांक 1

न्यादर्श के अंतर्गतं प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की शिक्षकों की संख्या

क्र.	विद्यालय का नाम	चयनित प्राथमिक शिक्षको की संख्या	चयनित उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संख्या
1	श्री गुजराती प्राथमिक शाला, रायपुर	05	05
2	महावीर प्राथमिक शाला, गुढ़ियारी	05	05
3	शा0 प्रा0 शाला, बढ़ईपारा	05	05
4	बंगाली क0 प्रा0 शाला, कालीबाड़ी	05	05
5	शा0 प्रा0 शा0 रामसागरपारा	05	05
	कुल योग :–	25	25

आँकड़े प्राप्त करने की विधियाँ एवं संग्रहण :–05

प्रस्तुत शोध कार्य में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों कों न्यादर्श के रूप मे लिया गया। तथ्यों का विश्लेषण करते समय अपने अध्ययन के उद्देश्यों को दृष्टिगत रख कर आवश्यकता अनुसार सांख्यिकी प्रविधियों एवं विधियों का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विश्लेषण :–

प्रदत्तों की प्राप्ति, व्याख्या एवं विवेचना

परिकल्पना 1 – मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता पाई जाएगी।

सारिणी क्रमांक 2

प्राथमिक शाला एवं उच्च प्राथमिक शाला के जागरूकता सम्बन्धीं अभिमत की सारिणी

क्र.	प्राथमिकशिक्षक		उच्च प्राथमिक शिक्षक	
	सही	गलत	सही	गलत
1	24	01	23	02
प्रतिशत	**96%**	**4%**	**92%**	**08%**

कुल सही उत्तर देने वाले शिक्षकों का प्रतिशत 100% रहा जिसमें से प्राथमिक शाला के **96% शिक्षकों** ने स्वीकारा की मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उसी तरह 92% **उच्च प्राथमिक शिक्षकों** ने यह स्वीकार किया है कि मध्यान्ह भोजन योजना से शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है। **12%** शिक्षक यह नहीं मानते कि मध्यान्ह भोजन योजना से शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

अतः प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की विद्यालय में जागरूकता सम्बन्धी प्रश्नावली मे सकारात्मक प्रश्नों के **"हाँ"** वाले उत्तरों का प्रतिशत अधिक है, जिससे यह ज्ञात होता है कि मध्यान्ह भोजन योजना का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ा है तथा वे अध्ययन की ओर प्रेरित हुए हैं और उनकी जागरूकता बढ़ी है। अतः परिकल्पना क्रमांक 01की पुष्टि होती है।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

परिकल्पना 2 – मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं की दर्ज संख्या में वृद्धि होगी।

सारिणी क्रमांक 3

मध्यान्ह भोजन योजना से सम्बन्धित विवरण प्राप्त करने हेतु शिक्षकों के अभिमत की सारिणी

क्र.	प्राथमिक शिक्षक		उच्च प्राथमिक शिक्षक	
	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
1	18	07	22	03
प्रतिशत	72%	28%	88%	12%

विवेचना :– कुल सही उत्तर देने वाले **शिक्षकों** का प्रतिशत 100% रहा जिसमें से **प्राथमिक शाला के 72% शिक्षकों** एवं **उच्च प्राथमिक शाला के** 88% **शिक्षकों** ने स्वीकारा है कि मध्यान्ह भोजन योजना से प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शालाओं के विद्यार्थियों की दर्ज संख्या में वृद्धि हुई है। अतः यह ज्ञात होता है कि मध्यान्ह भोजन योजना का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ा है, तथा वे अध्ययन की ओर प्रेरित हुए हैं और वे और उनके पालक विद्यालयों में प्रवेश दिलाने हेतु उन्मुख हुए हैं जिससे दर्ज संख्या में वृद्धि हुई है। अतः प्राथमिक शाला एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की विद्यालय में उपस्थिति में वृद्धि संबंधी प्रश्नावली में सकारात्मक प्रश्नों के "हाँ" वाले उत्तरों का प्रतिशत अधिक है, जिससे यह ज्ञात होता है कि मध्यान्ह भोजन योजना का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ा है, तथा वे अध्ययन की ओर प्रेरित हुए हैं और उनकी दर्ज संख्या में वृद्धि हुईहै। अतः परिकल्पना क्रमांक 02 की पुष्टि होती है।

परिकल्पना 3 – मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि बढ़ेगी।

सारिणी क्रमांक 4

मध्यान्ह भोजन योजना से सम्बन्धित विवरण प्राप्त करने हेतु शिक्षकों के अभिमत की सारिणी

क्र.	प्राथमिक शिक्षक		उच्च प्राथमिक शिक्षक	
	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
1	21	4	19	6
प्रतिशत	84%	16%	76%	24%

विवेचना :–उपर्युक्त सारिणी **के** कार्यों का विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है कि प्राथमिक शाला **के** 84% एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों **के** 76% **शिक्षक** मानते हैं कि मध्यान्ह भोजन योजना से उपस्थिति बढ़ी है जिसके फलस्वरूप विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि हुई है। अतः यह ज्ञात होता है कि मध्यान्ह भोजन योजना का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ा है, तथा वे अध्ययन की ओर प्रेरित हुए हैं और उनकी विद्यालय में उपस्थिति बढ़ने के कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि बढ़ी है। अतः प्राथमिक शाला एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक की शैक्षिक उपलब्धि सम्बन्धी प्रश्नावली में सकारात्मक प्रश्नों के **"हाँ"** वाले उत्तरों का प्रतिशत अधिक है, जिससे यह ज्ञात होता है कि मध्यान्ह भोजन योजना का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ा है, तथा वे अध्यन की ओर प्रेरित हुए हैं और उनकी शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि हुई है। अतः परिकल्पना क्रमांक 03 की पुष्टि होती है।

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

प्रस्तावित शोध (अनुकरणीय अध्ययन) :–

शोधकर्ता द्वारा प्रस्तुत अध्ययन सीमित समय के कारण छोटे से न्यादर्श पर किया गया है। अतः यह अध्ययन बड़े न्यादर्श पर कर परिणामों की जाँच की जा सकती है।

1. प्राथमिक शालाओं में अध्ययनरत् बच्चों के पालकों में **बालिका शिक्षा के प्रति** जागरूकता का अध्ययन करना ।
2. प्राथमिक शालाओंमें अध्ययनरत् बच्चों के पालकों में **शिक्षा के प्रति** जागरूकता का अध्ययन करना।

निष्कर्ष :–

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध में शोधकर्ता ने परीक्षणों से प्राप्त प्राप्तांकों को व्यवस्थित कर सारणीयन किया। तत्पश्चात् प्रदत्तों का विश्लेषण कर उनकी व्याख्या की, एवं प्रतिशत का प्रयोग कर परिकल्पनाओं की पुष्टि कर निम्न निष्कर्षों तक पहुंचा गया :–

1. मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता पाई गयी।
2. मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं की दर्ज संख्या में वृद्धि हुई।
3. मध्यान्ह भोजन योजना से विद्यालयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षा के छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्ध बढ़ी है।

संदर्भग्रंथ–सूची

1. भटनागर (1973) "अनुसंधान परिचय" आगरा लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, पृष्ठ संख्या 62–90.
2. पाण्डेय रामशकल (1987) "शिक्षा दर्शन" आगरा विनोद पुस्तक मंदिर तेईसवां संस्करण – पृष्ठ संख्या 25–30.
3. कपिल डॉ. एच. के. (1992–93) "अनुसंधान विधियाँ" आगरा भार्गव बुक हाउस, सप्तम संस्करण, पृष्ठ संख्या 38–40, 71–75.
4. भार्गव महेश (1992–93) "मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन" आगरा शैक्षणिक प्रकाशन पृष्ठ संख्या 45–46.
5. ड्रेज, जीन तथा गीता गाँधी किंग्डम, (2001) "स्कूल पार्टीसिपेशन इन रूरल इंडिया रिजू आफ डेवलपमेंट इकानामिक्स"।
6. खेड़ा रीतिका, (2002) – "मिड–डे–मील्स इन राजस्थान, द हिन्दु नवम्बर"
7. सरीन एण्ड सरीन, (2003) "शैक्षिक अनुसंधान विधियाँ" पृ.संख्या–23.
8. राय, पारसनाथ, (2004) "अनुसंधान परिचय" पृष्ठ संख्या 45–46.
9. पाठक, पी.डी. (2005) "शिक्षा मनोविज्ञान", पृष्ठ संख्या 25–35.
10. भटनागरआर.पी. एवं भटनागर मीनाक्षी (2005) "शिक्षा अनुसंधान" मेरठ इंटरनेशनल, पब्लिशिंग हाउस, द्वितीय संस्करण, पृष्ठ संख्या 223–233.

♦♦♦♦